एम.पी.ए.

एम.ए (लोक प्रशासन)

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

2022–23

एम.ए लोक प्रशासन प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के लिए

जुलाई 2022 और जनवरी 2023 सत्रों के लिए

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

सत्रीय कार्य
2022.2023

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ.साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यो ं को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2022 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जनवरी 2023 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	30 अप्रेल 2023 31 अक्टूबर 2023	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशो ं को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) नियोजन : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें आ ैर इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) चयन : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से द ेने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संब ंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ.साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

क) प्रस्तुति : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्यजमा करने से पहले इसे साफ.साफ लिख लें। जिन

बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) व्याख्या : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद बखुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ.साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.–015 लोक नीति और विश्लेषण

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-015
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2022–जनवरी– 2023
पूर्णांक : 100

इस असाइनमेंट में खंड I और II हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक है।

सत्रीय कार्य I

1) लोक नीति की प्रकृति और कार्यक्षेत्र की विवेचना कीजिए। 20

2) लिंडब्लॉम के उपागम का परीक्षण कीजिए। 20

3) वैश्विक संदर्भ में राष्ट्रीय नीति एजेंडा की व्याख्या कीजिए। 20

4) नीति–निर्माण में अंतर–सरकारी संबंधों की भूमिका का परीक्षण कीजिए। 20

5) ''अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां नीति–निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं ''। टिप्पणी कीजिए। 20

सत्रीय कार्य II

6) लोक नीतियों के कार्यान्वयन में विधायिका और न्यायपालिका के बीच संबंधों पर चर्चा कीजिए। 20

7) नीति निगरानी के महत्व का वर्णन कीजिए और प्रभावी निगरानी के लिए उपाय सुझाएइए। 20

8) नीति मूल्यांकन में प्रमुख समस्या क्षेत्र क्या हैं? 20

9) नीति प्रभाव के महत्व और प्रकारों को उजागर कीजिए। 20

10) दूरसंचार नीतियों और दूरसंचार क्षेत्र पर उनके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 20

एम.पी.ए.–016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-016
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2022–जनवरी– 2023
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड I और II हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक है।

खंड–I

1) विकेंद्रीकरण के महत्व पर चर्चा कीजिए और भारत में विकेंद्रीकृत विकास को मजबूत करने के लिए आवश्यक उपाय सुझाइए । 20

2) समकालीन परिदृश्य में प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण का वर्णन कीजिए। 20

3) "दिल्ली सरकार के भागीदारी कार्यक्रम ने सरकार –नागरिक भागीदारी को बढ़ावा दिया है"। टिप्पणी कीजिए। 20

4) शिक्षा के क्षेत्र में स्थानीय प्राधिकरणों और विशिष्ट कार्य अभिकरणों के बीच साझेदारी की जांच कीजिए। 20

5) सशक्तिकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए, और सशक्तिकरण प्राप्त करने में समस्याओं और बाधाओं को उजागर कीजिए। 20

खंड– I

6) "73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 हेतु, पंचायती राज संस्थाएं जमीनी स्तर पर स्थानीय स्वशासन के प्रभावी संस्थानों के रूप में कार्य कर रही हैं''। जांच कीजिए । 20

7) शहरी स्थानीय सरकार के संगठनात्मक ढांचे की व्याख्या कीजिए। 20

8) स्थानीय निकायों के संसाधनों का वर्णन कीजिए। 20

9) ''नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिकाएं स्थानीय स्वशासन की एक प्रभावी संस्था के रूप में कार्य कर रही हैं''। टिप्पणी कीजिए। 20

10) सतत विकास को परिभाषित कीजिए और सतत विकास तथा पर्यावरण के लिए इसकी प्रमुख चुनौतियों की व्याख्या कीजिए। 20

एम.पी.ए.–017 : इलेक्ट्रॉनिक शासन

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-017
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2022–जनवरी– 2023
पूर्णांक : 50

प्रिय छात्र / छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग– I और भाग– II हैं । प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।

भाग I

1. ई – गवर्नेन्स तथा भारत में ई – गवर्नेन्स एवं सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के कानूनी तथा नीतिगत ढाँचे को परिभाषित कीजिए। 10
2. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विभिन्न घटको जैसे कम्प्यूटर हार्डवेयर , कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर , लोकल एरिया नेटवर्क (LAN), वाइड एरिया नेटवर्क (WAN) तथा उपग्रह की व्याख्या कीजिए। 10
3. प्रशासन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका की जाँच कीजिए। 10
4. प्रशासनिक संस्कृति को ई – गवर्नेन्स के प्रति अनुकूल होना चाहिए। चर्चा कीजिए।10
5. महिला सशक्तिकरण तथा कृषि क्षेत्र की आधुनिकता में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी द्वारा निभाई गई भूमिका को स्पष्ट कीजिए। 10

भाग– II

6. स्थानीय शासन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप की आवश्यकता और महत्व का वर्णन कीजिए तथा पंचायती राज संस्थाओं में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग क्षेत्रों का विस्तृत वर्णन कीजिए। 10
7. ई – शिक्षण की अवधारणा तथा महत्व पर एक टिप्पणी कीजिए। 10
8. ई – कॉमर्स (ई–वाणिज्य) के लाभों एवं सीमाओं का विस्तृत वर्णन कीजिए तथा इलेक्ट्रॉनिक भुगतान का वर्णन भी कीजिए। 10
9. भारतीय रेलवे में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोगों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10
10. ई – सेवा परियोजना के तहत प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं का वर्णन कीजिए। 10

एम.पी.ए.–18 : आपदा प्रबंधन

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-018
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2022–जनवरी– 2023
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड I और II हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक है।

खंड – I

1. विकास और पर्यावरण के बीच संबंधों का परीक्षण कीजिए। 10

2. जोखिम न्यूनीकरण को परिभाषित कीजिए और सम्पूर्ण आपदा जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण (टी डी आर एम) के महत्व को उजागर कीजिए। 10

3 भूकंप की संवेदनशीलता में न्यूनीकरण के लिए क्षमता निर्माण की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 10

4. 'आपदा तन्यकता के निर्माण के लिए जोखिम बांटना और हस्तांतरण '। चर्चा कीजिए। 10

5. समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन पर संक्षेप में एक टिप्पणी लिखिए। 10

खंड – II

6. खोज, बचाव और निकासी चरणों की अवधारणा को परिभाषित कीजिए और इनकी विभिन्न तकनीकों की व्याख्या कीजिए। 10

7. आश्रय प्रावधान के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों की जांच कीजिए। 10

8. आपदा से उभरने में विभिन्न समस्या क्षेत्रों का विश्लेषण कीजिए। 10

9. विभिन्न आपदा प्रबंधन कार्यनीतियों का वर्णन कीजिए। 10

10. आपदा प्रबंधक की भूमिका और कार्यों की चर्चा कीजिए। 10

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
एम.ए. समाजषास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
एमएसओ–002 : शोध पद्धतियाँ और कार्यविधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/
टीएमए/2022–2023

अधिकतम अंक : 100
अधिभारिता : 30ः

दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग क

निम्नलिखित प्रष्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

1. परिघटना या घटना क्रिया शास्त्र से आप क्या समझते है? मार्टिन हेडेगर के योगदान को ध्यान में रखकर स्पष्ट कीजिए। 25

2. प्रत्यक्षवाद क्या है? गिड्डन की प्रत्यक्षवाद की समीक्षा की चर्चा कीजिए। 25

3. तुलनात्मक विधि का वर्णन कीजिए। सामाजिक विज्ञान शोध में इसके क्षेत्र–विस्तार ;बवचमद्ध की चर्चा कीजिए। 25

4. सामाजिक शोध में सहभागितापरक उपागम की चर्चा कीजिए। परंपरागत शोध कार्यपद्धति के साथ इसकी तुलना एवं इनके बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए। 25

5. सामाजिक विज्ञान शोध में नारीअधिकारवादी विधि की प्रकृति एवं क्षेत्र विस्तार की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25

भाग ख

निम्नलिखित में से किसी एक पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

1. भारत में परिवार संरचना और पारिवारिक संबंधों में परिवर्तन 50

2. शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में मुक्त एवं दूर शिक्षा का महत्व 50

3. समाजशास्त्रीय शोध में विश्लेषण की परिमाणात्मक विधि की प्रासंगिकता 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से एकत्रित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद की किसी चुनी हुई विषयवस्तु पर हाल ही में प्रकाशित किन्हीं दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेख लिखते समय अध्ययन की अवस्थिति, अनुसरणीय कार्यपद्धति और इन अध्ययनों के मुख्य निष्कर्षों को ध्यान में रखें।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र कर, तुलनात्मक ढाँचे में चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट लिखनी है। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों एवं समस्याओं को खोल कर स्पष्ट करें और

- मुद्दे को मौजूदा/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्या का रूप दें;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणाम को ठोस रूप से स्पष्ट करें, और
- उचित विचारणीय बिंदुओं ;तममितमदबपदहद्ध का उल्लेख अंत में करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003

सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2022-23

पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारत में संघीय व्यवस्था की कार्यप्रणाली का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. भारत के राष्ट्र–राज्य के सामने नृ–जातीयता की मुख्य चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

3. भारतीय लोकतंत्र में 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के महत्व की चर्चा कीजिए।

4. सहभागिता के गैर–दलीय संस्थान क्या हैं? लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वे किस प्रकार पूरक हैं?

5. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः

   क) भारतीय लोकतंत्र में जाति

   ख) भारत में पहचान की राजनीति

भाग – II

6. जन नीतियाँ और जन मत को आकार देने में संचार माध्यमों(मीडीया) की भूमिका का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

   क) सतत् विकास

   ख) जैंडर और विकास

8. भारत में क्षेत्रवाद के फैलाव के कारकों की चर्चा कीजिए।

9. नागरिक समाज की बदलती धारणाओं और समकालीन दौर में इसके महत्व की चर्चा कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

    क) भारत में भाषा और राजनीति

    ख) पलायन के आर्थिक परिणाम